उत्तराखंड बजट 2025-26

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये **1,01,175.33 करोड़ रुपए का बजट** पेश किया है, जिसका उद्देश्य **आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करते हुए बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करना है।**

मुख्य बिंदु

- **बजट प्रस्तुति और विज़न:**
  - **राज्य वित्त मंत्री ने** देहरादून स्थित राज्य विधानसभा में 1,01,175.33 करोड़ रुपए का बजट पेश किया।
  - बजट में राज्य के आर्थिक और बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये **एक व्यापक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है।**
- **क्षेत्रीय फोकस क्षेत्र:**
  - सरकार ने **कृषि, उद्योग, ऊर्जा, बुनियादी ढाँचा, कनेक्टिविटी, पर्यटन और आयुष को प्राथमिकता दी है।**
  - विकास को बढ़ावा देने के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढाँचे और ग्रामीण विकास पर अतिरिक्त ज़ोर दिया गया है।
- **राजस्व एवं प्राप्तियाँ अवलोकन:**
  - बजट में कुल प्राप्तियाँ 1,01,034.75 करोड़ रुपए अनुमानित हैं, जिनमें शामिल हैं:
    - राजस्व प्राप्तियाँ : 62,540.54 करोड़ रुपए
    - पूंजीगत प्राप्तियाँ : 38,494.21 करोड़ रुपए
  - कर राजस्व का योगदान 39,917.74 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि गैर-कर राजस्व का योगदान 22,622.80 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।
- समावेशी विकास **के लिये 'ज्ञान' मॉडल:**
  - **यह बजट 'ज्ञान' मॉडल** पर आधारित है, जिसमें निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित किया गया है:
    - गरीब (Poor)
    - युवा
    - अन्नदाता(Farmers)
    - नारी (woman)
- **उद्योग और स्टार्टअप को बढ़ावा:**
  - औद्योगिक विकास और उद्यमिता को समर्थन देने के लिये बजट में निम्नलिखित शामिल हैं:
  - एमएसएमई उद्योगों के लिये 50 करोड़ रुपए।
  - मेगा उद्योग नीति के लिये 35 करोड़ रुपए।
  - स्टार्टअप प्रोत्साहन के लिये 30 करोड़ रुपए।
  - आर्थिक विस्तार को बढ़ावा देने के लिये **मेगा परियोजना योजना** के अंतर्गत 500 करोड़ रुपए।
- **क्षेत्रवार प्रमुख आवंटन:**
- **जल संसाधन और सिंचाई:**
  - जमरानी बाँध, सोंग बाँध, लखवाड़ परियोजना के लिये धन आवंटित किया गया है।
  - राज्यों के लिये विशेष पूंजी सहायता के अंतर्गत 1,500 करोड़ रुपए।
  - जल जीवन मिशन के लिये 1,843 करोड़ रुपए।
  - शहरी जलापूर्ति सुधार के लिये 100 करोड़ रुपए।
- **सड़क, परिवहन और बुनियादी ढाँचा:**
  - 220 किलोमीटर नई सड़कें बनाई जाएंगी।
  - 1,000 किमी सड़कों का पुनर्निर्माण तथा 1,550 किमी सड़कों का नवीनीकरण किया जाएगा।
  - **सड़क सुरक्षा पहल** के लिये 1,200 करोड़ रुपए।
  - 37 नए पुल बनाए जायेंगे।
  - **PMGSY योजना** के अंतर्गत 1,065 करोड़ रुपए आवंटित।
  - **नागरिक उड्डयन विभाग** के लिये 36.88 करोड़ रुपए।
- **पर्यटन और सांस्कृतिक विकास:**

- **टिहरी झील विकास** के लिये 100 करोड़ रुपए।
- **मानसखण्ड योजना** के लिये 25 करोड़ रुपए।
- **वाइब्रेंट विलेज योजना** के लिये 20 करोड़ रुपए।
- **नये पर्यटन स्थलों** के लिये 10 करोड़ रुपए।
- **चारधाम सड़क नेटवर्क सुधार** के लिये 10 करोड़ रुपए।

- **पर्यावरण और सतत विकास:**
  - **कैम्पा योजना** के लिये 395 करोड़ रुपए आवंटित।
  - **जलवायु परिवर्तन शमन** के लिये 60 करोड़ रुपए।
  - **स्प्रिंग एवं रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी** के लिये 125 करोड़ रुपए।
  - **सार्वजनिक वनरोपण परियोजनाओं** के लिये 10 करोड़ रुपए।
- **सामाजिक सुरक्षा और कल्याण:**
  - सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिये 1,811.66 करोड़ रुपए आवंटित।
  - विभिन्न कल्याणकारी सब्सिडी के लिये 918.92 करोड़ रुपए अलग रखे गए।
  - **खाद्य सुरक्षा योजना** के लिये 600 करोड़ रुपए।
  - प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिये 207.18 करोड़ रुपए।
  - प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लिए 54.12 करोड़ रुपए।
  - EWS आवास अनुदान के लिये 25 करोड़ रुपए।
  - निम्न आय वाले परिवारों के लिये रसोई गैस सब्सिडी हेतु 55 करोड़ रुपए।
  - पर्यावरण मित्र बीमा योजना के लिये 2 करोड़ रुपए।
  - राज्य परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा उपलब्ध कराने के लिये 40 करोड़ रुपए।
  - **राज्य खाद्यान्न योजना** के लिये 10 करोड़ रुपए।
  - **अंत्योदय राशन कार्ड** धारकों को नमक पर सब्सिडी देने के लिये 34.36 करोड़ रुपए।
- **विकास पर रणनीतिक ध्यान:**
  - **यह बजट समग्र विकास और** सतत विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
  - बुनियादी ढाँचे, सामाजिक कल्याण, पर्यावरण और आर्थिक विस्तार पर ज़ोर देकर सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

- **यह एक केन्द्र सरकार की योजना है, जिसे वर्ष 2000 में** असंबद्ध ग्रामीण बस्तियों को बारहमासी सड़क संपर्क प्रदान करने के लिये शुरू किया गया था।
  - यह योजना मूलतः 100% केन्द्र प्रायोजित पहल थी, लेकिन वित्तीय वर्ष 2015-16 से इसका वित्तपोषण **केंद्र और राज्य सरकारों के बीच 60:40 के अनुपात में साझा किया जाने लगा।**
  - इस योजना के विभिन्न चरणों के अंतर्गत लगभग 800,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कें बनाई गई हैं और 180,000 बस्तियों को जोड़ा गया है।

जीवंत गाँव कार्यक्रम

- यह एक **केंद्र प्रायोजित योजना है,** जिसकी घोषणा **केंद्रीय बजट 2022-23 (2025-26 तक) में उत्तरी सीमा** पर स्थित गाँवों के विकास के लिये की गई है, जिससे चिन्हित सीमावर्ती गाँवों में **रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।**
- **यह हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और लद्दाख** के सीमावर्ती क्षेत्रों को कवर करेगा।
- इसमें 2,963 गाँव शामिल होंगे, जिनमें से 663 को पहले चरण में शामिल किया जाएगा।
- ज़िला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायतों की सहायता से जीवंत ग्राम कार्य योजनाएँ बनाई जाएंगी।
- **सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के साथ** कोई सामंजस्य नहीं होगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-budget-2025-26